प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 15 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

'तेते पाँव पसारिए जेती लाँबी सौर' वाली कहावत बड़ी सार्थक है। भविष्य को सुखमय बनाने के लिए यह आवश्यक है कि आय का एक अंश नियमित रूप से बचाया जाए जिससे आगे आने वाली आवश्यकताओं की पूर्ति सरलता से हो सके। इस तरह सीमित खर्च करने वाला व्यक्ति मितव्ययी कहलाता है। अनावश्यक व्यय करके जो व्यक्ति धन का दुरूपयोग करता है वह फिजूलखर्च माना जाता है। वास्तव में मितव्ययिता ही बचत और संचय की कुंजी है। मनुष्य के जीवन में जो आदतें बचपन में पड़ जाती हैं वे किसी–न–किसी रूप में जीवन भर बनी रहती हैं। इसलिए बचपन में ही मितव्ययिता और बचत की आदतों का विकास आवश्यक है। कुछ बालक जेब खर्च के लिए मिले धन से भी बचत करते हैं। पैसा बचाकर अपनी–अपनी गुल्लक जल्दी–जल्दी भरने की उनमें होड़ लगी रहती है। कहा भी गया है कि एक–एक बूँद से सागर भरता है और एक–एक पैसा एकत्र करने से धन संचय होता है।

देश के आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास के लिए शासन को धन चाहिए। धन प्राप्त करने के साधनों में जनता पर लगाए गए कर, सरकारी उद्योगों का उत्पादन, निर्यात आदि मुख्य हैं। एक अन्य महत्त्वपूर्ण साधन बैंकों तथा डाकघरों में संचित वह धनराशि है, जिसे नागरिक राष्ट्रीय बचत योजनाओं के अन्तर्गत जमा करते हैं। राष्ट्रीय विकास के कार्यक्रमों में शासन इस संचित धनराशि का उपयोग सरलता से करता है। शासन की ओर से नगरों और गाँवों में बैंकों और डाकघरों की शाखाएँ खोली गई हैं। इनमें बालक–बालिकाओं और बड़ी उम्र के लोगों को बचत का धन जमा करने की सुविधा दी जाती है। इस दिशा में डाकघरों की सेवाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

1. मनुष्य अपना जीवन किस प्रकार सुखमय बना सकता है? 2
उत्तर : यदि हम अपनी आय का एक अंश नियमित रूप से बचाते रहें, तो आने वाली आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से कर पायेंगे, किसी भी आपातकालीन स्थिति का सामना करने में सक्षम होंगे और इस प्रकार मितव्ययिता से हम अपना जीवन सुखमय बना सकते हैं।
2. मितव्ययिता के गुण को कैसे विकसित किया जा सकता है? 2
उत्तर : जो आदतें हमें बचपन में पड़ जाती हैं, वे जीवन भर बनी रहती हैं। अतः मितव्ययिता के गुण को विकसित करने के लिए बचपन में बीज डालना जरूरी है। बच्चों को जेबखर्च देना चाहिए, वे उसमें से पैसे बचाकर गुल्लक भरने की कोशिश करते हैं। इस तरह सोच–समझकर खर्च करने की आदत बड़े होकर भी काम आती है।
3. सरकार विभिन्न प्रशासनिक कार्यों के लिए धन कैसे जुटाती है? 2
उत्तर : सरकार को देश के आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास के लिए धन की आवश्यकता होती है। जनता की आय पर कर लगाकर, सरकारी उद्योगों में उत्पादन करके, निर्यात करके सरकार धन एकत्रित करती है। इसके अतिरिक्त डाकघरों व बैंकों में जमा धनराशि भी देश के विकास में प्रयुक्त होती रहती है।
4. एक साधारण व्यक्ति देश के विकास में कैसे भागीदार बनता है? 2
उत्तर : प्रत्येक व्यक्ति ईमानदारी से कर अदा करे। शासन की ओर से नगरों व गाँवों में बैंकों व डाकघरों की शाखाएँ खोली गई हैं, उनमें अतिरिक्त धनराशि जमा करें तो हम सब प्रशासन की मदद कर सकते हैं।
5. गद्यांश में से कोई एक सामासिक शब्द छाँटकर विग्रह कीजिए व समास का भेद लिखिए। 1
उत्तर : फिजूलखर्च–फिजूल है जो खर्च–कर्मधारय समास।
6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1
उत्तर : मितव्ययिता।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. 'पक्षी' शब्द को पद में परिवर्तित करें। 1

उत्तर : मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

$1 \times 3 = 3$

1. राम ने अपनी मेहनत से परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। (मिश्र वाक्य में)

   उत्तर : राम ने मेहनत की और परीक्षा उत्तीर्ण कर ली।

2. वह सभा में आया और सबको मंत्र–मुग्ध कर गया। (सरल वाक्य में)

   उत्तर : उसने सभा में आकर सबको मंत्र–मुग्ध कर दिया।

3. यदि बच्चों को अधिक डांटा जाए तो वे जिद्दी हो जाते हैं। (सरल वाक्य में)

   उत्तर : अधिक डांट खाने से बच्चे जिद्दी हो जाते हैं।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$

   क्रोधाग्नि, पीताम्बर

   उत्तर : क्रोधाग्नि– अग्नि के समान क्रोध (कर्मधारय समास)
   पीताम्बर– पीला है अम्बर जिसका या पीले वस्त्र वाला (बहुव्रीहि समास)

2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$

   नौ निधियों का समूह, जितना शीघ्र हो सके

   उत्तर : नौ निधियों का समूह– नवनिधि (द्विगु समास)
   जितना शीघ्र हो सके– यथाशीघ्र (अव्ययीभाव समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. मुझे एक फूलों की माला चाहिए।

   उत्तर : मुझे फूलों की एक माला चाहिए।

2. यह सबसे बेहतरीन उपचार है।

   उत्तर : यह बेहतरीन उपचार है।

3. गाँधीजी का भारत देश सदा आभारी रहेगा।

   उत्तर : भारत देश गाँधीजी का सदा आभारी रहेगा।

4. इस घृणित अपराध के लिए उसे मृत्युदण्ड की सजा अवश्य मिलनी चाहिए।

   उत्तर : इस घृणित अपराध के लिए उसे मृत्युदण्ड मिलना चाहिए।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए।

$1 \times 4 = 4$

1. उस प्रसिद्ध नृत्यांगना के आने से महफिल में .....।

   उत्तर : चार चाँद लग गये (चार चाँद लगाना)

2. हम ..... जो पैसा कमाते हैं, वह पैसा हमें सारी खुशियाँ नहीं दे सकता।

   उत्तर : खून–पसीना एक करके (खून पसीना एक करना)

3. जब पिताजी को रोहन की शरारतों का पता चला तो उन्होंने उसे ..... लिया।

   उत्तर : आड़े हाथों (आड़े हाथों लेना)

4. काम की बात करो, यूँ ..... व्यर्थ है।

   उत्तर : बाल की खाल निकालना (बाल की खाल निकालना)

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. प्राकृतिक असंतुलन के क्या दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं? पाठ 'अब कहाँ दूसरों के दुःख .....' के आधार पर लिखिए।

   उत्तर : सम्पूर्ण सृष्टि व प्रकृति पर समस्त जीवधारियों का समान अधिकार है, किन्तु मानव ने अपनी विकसित बुद्धि के द्वारा प्रकृति को अपनी जागीर बनाकर, उससे मनमाना व्यवहार करना शुरू कर दिया। परिणामस्वरूप प्राकृतिक असन्तुलन पैदा हो गया। अब प्रकृति की जो विनाशलीलाएँ, सैलाब, तूफान, बाढ़, सूखा, महामारियाँ, बेमौसम बरसात, भीषण गर्मी आदि के रूप में सामने आ रही हैं। यह सब प्राकृतिक असन्तुलन का ही परिणाम है।

2. ततांरा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

   उत्तर : ततांरा एक परिश्रमी, बलिष्ठ व आकर्षक युवक था। वह निकोबार के एक द्वीप पर पासा गाँव में रहता था। वह बहुत ही नेक, मददगार और आत्मीय स्वभाव का था, इसलिए सभी लोग उसे बेहद पसन्द करते थे। अपने ही नहीं, दूसरे गाँव के लोगों की मदद के लिए भी वह तुरन्त हाजिर हो जाता था। उसका आकर्षक व्यक्तित्व, स्नेहिल स्वभाव सबको अपनी ओर खींच लेता था।

3. 26 जनवरी, 1931 का दिन कोलकाता के लिए क्यों खास है?

   उत्तर : 26 जनवरी, 1931 को कलकत्ता में स्वतन्त्रता दिवस की पुनरावृत्ति मनाई गई थी व इस प्रयास से यह कलंक धुल गया था कि कोलकाता से स्वतंत्रता के लिए कोई प्रयास नहीं हो रहे क्योंकि पूरे कोलकाता के घरों–बाजारों को सजाया गया था, जगह–जगह राष्ट्रीय झण्डे फहराए गए थे, महिलाओं व पुरूषों ने अनेक जुलूस निकाले व स्वतंत्रता की घोषणा की।

4. वजीर अली को भूत क्यों कहा गया? कारतूस पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : वजीर अली को कर्नल और उसकी सेना पकड़ने की कोशिश कर रही थी किन्तु वह किसी के हाथ नहीं आ रहा था इसलिए कहा गया कि 'वह आदमी है या भूत, किसी के हाथ ही नहीं आता'। वह कई महीनों से उनकी आँखों में धूल झोंक रहा था तथा अपने चन्द साथियों के साथ छिपता हुआ अंग्रेजी हुकूमत को हिन्दुस्तान से मिटाने की योजना बना रहा था।

8. पाठ 'झेन की देन' में लेखक ने वर्तमान को ही एकमात्र सत्य क्यों बताया है? 80–100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर : पाठ 'झेन की देन' के माध्यम से लेखक 'रवीन्द्र केलेकर' ने जापान की एक विशेष प्रकार की टी–सेरेमनी का वर्णन किया है, जो वास्तव में ध्यान की एक प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में एक समय में केवल तीन लोगों को स्थान दिया जाता है। उनके सामने प्यालों में दो–दो घूँट चाय परोसी जाती है जिसे वे देर तक एक–एक बूँद पीते रहते हैं। लेखक इस प्रक्रिया के दौरान कुछ समय तक तो दुविधा में पड़े रहे, किन्तु वहाँ के शान्त, प्राकृतिक वातावरण में धीरे–धीरे उन्हें महसूस हुआ कि वे विचारशून्य हो गए हैं। भविष्य व अतीत के ख्यालों में हम निरन्तर उलझे रहते हैं, किन्तु उस समय वे उन दोनों कालों को भूलकर केवल वर्तमान में जीना महसूस कर रहे थे। तब पहली बार उन्हें लगा कि वास्तव में वर्तमान ही एकमात्र सत्य है, अतीत व भविष्य दोनों मिथ्या हैं, क्योंकि एक अभी आया ही नहीं व दूसरा बीत चुका है। उन पर हमारा कोई अधिकार नहीं है। अतः हमें वर्तमान का बेहतरीन प्रयोग करना चाहिए अर्थात् वर्तमान में जीते हुए तनावमुक्त व प्रसन्न रहना चाहिए।

अथवा

भारतीय सैनिकों के समक्ष अंग्रेज टिक नहीं पाते थे। 'कारतूस' एकांकी के आधार पर 80–100 शब्दों में सिद्ध कीजिए।

उत्तर : भारत को अंग्रेजी दासता से आजादी दिलाने के लिए अनगिनत भारतीयों ने अपने–अपने स्तर पर प्रयास किया। बहुत–से नाम हम जानते हैं किन्तु न जाने कितने ही ऐसे वीर सैनिक हुए होंगे जिनका इतिहास में नाम भी नहीं है। 'कारतूस' एकांकी में एक ऐसे भारतीय जांबाज की बहादुरी का वर्णन है जो अकेला ही पूरी अंग्रेजी सेना पर भारी पड़ता था, अपने वीरतापूर्ण कारनामों से अंग्रेजों को धूल चटा देता था। अंग्रेजों की बर्बरता को वह सहन नहीं करता था, बल्कि हर बार मुँहतोड़ जवाब देता था। जब उसे अवध के तख्त से हटाकर बनारस भेज दिया गया और अंग्रेजी वकील ने उसे कलकत्ता तलब किया, तब उसने गुस्से व अंग्रेजों के प्रति नफरत के कारण वकील का कत्ल कर दिया व सबकी आँखों में धूल झोंककर भाग गया। तब से कर्नल अपनी सेना के साथ उसे गिरफ्तार करने के लिए जंगल में खेमा लगाए बैठा था, किन्तु वजीर अली उनके हाथ नहीं आ रहा था। वह इतना बेखौफ था कि अकेले ही कर्नल के खेमें में आया, उसकी मदद करने की बात कहकर चन्द कारतूस उससे लिए और जाते–जाते अपना परिचय भी दे गया, किन्तु हक्का–बक्का कर्नल उसका बाल भी बाँका नहीं कर सका। अतः स्पष्ट है कि वजीर अली जैसे सैनिकों के समक्ष अंग्रेजों को हर बार घुटने टेकने पड़ते थे।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. कृष्ण का कौन–सा रूप मीरा के हृदय में बसा हुआ है? मीरा के पदों के आधार पर लिखिए।

उत्तर : मीरा कृष्ण की अनन्य भक्त थी। उनका सुन्दर, मनमोहक रूप मीरा के हृदय में बसा हुआ था। जब कृष्ण मोरपंख मुकुट धारण करते हैं, पीले वस्त्र अपने सांवले शरीर पर धारण करते हैं, गले में वन के फूलों की माला पहने हुए, मधुर मुरली बजाते हुए गाय चराते हैं, तब उनकी आकर्षक छवि मीरा का मन मोह लेती है। कृष्ण का यही मनमोहक रूप हृदय में बसाकर मीरा कृष्ण प्रेम में दीवानी बन गयी है।

2. कवि सुमित्रानन्दन पंत ने झरनों का सजीव वर्णन किया है। कैसे?

उत्तर : कवि 'सुमित्रानन्दन पंत' प्रकृति प्रेमी कवि माने जाते हैं। 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता इसका जीवन्त उदाहरण है। पावस ऋतु के दौरान पर्वतीय क्षेत्रों का नजारा किस प्रकार बदलता रहता है, इसका जीवन्त वर्णन करते हुए कवि ने बताया है कि पर्वतों के बीच बहते हुए झरने, ऊँचाई से गिरने के कारण जो ध्वनि उत्पन्न करते हैं वह मानो झरनों द्वारा पर्वतों की प्रशंसा में गाया जाने वाला गीत है। सफेद झागयुक्त झरनों का सौन्दर्य मोती की माला की समानता कर रहा है और सम्पूर्ण दृश्य में चार चाँद लगा रहा है।

3. कंपनी बाग में रखी तोप की सँभाल कैसे की जाती है?

उत्तर : कानपुर के कंपनी बाग में रखी तोप को साल में दो बार (स्वतंत्रता व गणतंत्र दिवस) चमकाया या साफ किया जाता है। यह हमें विरासत में मिली ऐसी धरोहर है जो स्वतंत्रता की कीमत बताती है, यह याद दिलाती है कि कितनी कुर्बानियों के बाद हमें यह आजादी हासिल हुई थी जिसे हमें कायम रखना है।

4. कवि 'कैफी आजमी' ने धरती को दुल्हन क्यों कहा है?

उत्तर : धरती जब सैनिकों के खून से रंग गई तब लाल जोड़े में सजी सी लग रही है और कवि ने उसे दुल्हन कह दिया है। जिस प्रकार एक युवक अपनी दुल्हन की रक्षा की कसम खाता है उसी प्रकार सैनिक लाल रक्त में सनी इस धरती की रक्षा के लिए प्रण ले रहे हैं।

10. कविता 'आत्मत्राण' एक प्रार्थना गीत होते हुए भी सामान्य प्रार्थनाओं से भिन्न कैसे है? 80–100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर : कविवर 'रवीन्द्रनाथ ठाकुर' द्वारा रचित कविता 'आत्मत्राण' एक प्रार्थना गीत है, किन्तु यह सामान्य प्रार्थनाओं से सर्वथा भिन्न है। सामान्यतः प्रार्थना के माध्यम से ईश्वर से सुखों, सफलताओं, भौतिक संसाधनों की माँग की जाती है, किन्तु इस प्रार्थना में कवि ईश्वर से अपनी मुक्ति की व मानवीय गुणों की माँग कर रहे हैं। कवि चाहते हैं कि वे भय, निराशा, आलस्य, अहंकार जैसी दुर्बलताओं से मुक्त रहें तथा ईश्वर उन्हें साहस, आत्मनिर्भरता, निर्भयता, निराभिमान आदि गुणों से भरपूर करे ताकि वे जीवन में आने वाली हर परिस्थिति का सामना कर सकें। ईश्वर के सामर्थ्य, शक्ति, करूणा व महानता पर पूर्ण निष्ठा होते हुए भी कवि अपनी सफलताओं व उन्नति के लिए उन पर निर्भर नहीं होना चाहते हैं, बल्कि

आत्मनिर्भर होकर, आत्मविश्वास के साथ, अपने पौरूष से जीवन में आगे बढ़ते हुए सदैव प्रभु के समक्ष सिर झुकाकर रखना चाहते हैं। अन्त में उनकी प्रार्थना यह है कि सुख के समय में भी ईश्वर के आगे उनका शीश हमेशा झुका रहे तथा असीम दुःख की स्थिति में भी कभी ईश्वर के अस्तित्व या उनके न्याय के प्रति सन्देह पैदा न हो।

अथवा

कवि बिहारी के दोहे उनकी सूक्ष्म दृष्टि के परिचायक हैं। 80–100 शब्दों में सिद्ध कीजिए।

उत्तर : कवि बिहारी हिंदी साहित्य में एक रसिक कवि के रूप में प्रसिद्ध हैं। स्वभाव से विनोदी व व्यंग्यप्रिय कवि बिहारी 'गागर में सागर' भरने में कुशल थे। उनके अधिकांश दोहे श्रृंगार रस पर आधारित हैं, किन्तु भक्ति, नीति आदि की छटा भी भरपूर मिलती है। विषय कोई भी हो, किन्तु उनका लगभग हर दोहा कवि की सूक्ष्म दृष्टि का परिचायक है। नायक–नायिका की भाव–भंगिमाओं का, उनके मौन वार्तालाप का सुन्दर वर्णन कवि ने किया है, तो दूसरी ओर ग्रीष्म की प्रचण्डता को दिखाने के लिए जीवन–जगत पर जिस प्रकार ताप का प्रभाव दिखाया है, वह अत्यधिक सराहनीय है। नायक–नायिका कैसे बिना शब्द–प्रयोग के ही, भरे भवन में इशारों में अपने मन की सारी बातें एक–दूसरे तक पहुँचा देते हैं, नायिका जब अपने भावों को व्यक्त नहीं कर पाती तो कैसे खुद को समझा लेती है, गोपियाँ कृष्ण की मुरली चुराकर कैसे आँखों ही आँखों में शरारतें करती हैं, ग्रीष्म के प्रचण्ड ताप में जब कहीं छाया नहीं होती, उस स्थिति का अद्भुत वर्णन करते हुए छाया का ही मानवीकरण कर देना उनकी काव्य–कला व सूक्ष्म दृष्टि का परिचय देता है।

11.

1. ठाकुरबारी के सम्बन्ध में लेखक के विचार गाँव वालों से किस प्रकार भिन्न थे? (60–70 शब्दों में समझाइये) 3

उत्तर : 'हरिहर काका' पाठ के मुख्य पात्र 'हरिहर' भोले–भाले किसान थे। गाँव की ठाकुरबारी में उनका काफी आना–जाना था। वहाँ के महन्त व अन्य सदस्य हरिहर का काफी आदर करते थे व हरिहर को भी उन पर अटूट विश्वास था। गाँव के अधिकांश लोग ठाकुरबारी के प्रति अत्यधिक श्रद्धा भाव रखते थे, किन्तु लेखक के विचार उन सबसे भिन्न थे। लेखक का मानना था कि गाँव के चाटुकार व कामचोर लोग ठाकुरबारी में जाकर समय बर्बाद करते हैं और धर्म–चर्चा के नाम पर पूजा–पाठ की आड़ में बढ़िया पकवान खाते हैं, लोगों को लूटते हैं। लेखक को वहाँ के पुजारी व महन्त एक आँख भी नहीं भाते थे। वास्तव में लेखक का अविश्वास ही सही साबित हुआ। महन्त ने अन्य लोगों के साथ मिलकर हरिहर की जमीन छीनने का जो दुस्साहस किया, उससे ठाकुरबारी के प्रति सभी लोगों की श्रद्धा टूट गयी। निश्छल व सदाचारी होना चाहिए, यही सबसे बड़ा धर्म व धार्मिक कृत्य है।

2. टोपी शुक्ला को किन भावात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था? शिक्षा प्रणाली में किस प्रकार के परिवर्तन लाए जाएँ कि छात्रों को यह सब न सहना पड़े? (60–70 शब्दों में समझाइये) 3

उत्तर : 'टोपी शुक्ला' पाठ दो ऐसे दोस्तों की कहानी है जो सर्वथा भिन्न वातावरण में पले हैं। दोनों की परवरिश अलग–अलग रीति से हुई है व दोनों ने पर्याप्त भिन्न–भिन्न परम्परायें देखी हैं। इतनी असमानतायें होते हुए भी दोनों घनिष्ठ मित्र बने। इफ्फन मुस्लिम परिवार से था व टोपी हिन्दू परिवार से। इफ्फन के घर टोपी का बहुत आना–जाना था। दोनों अपने मन की सारी बातें केवल एक–दूसरे को ही बताते थे। संयोगवश इफ्फन के पिता का तबादला हो गया और टोपी अकेला रह गया। अब तो वह बिल्कुल उदास रहने लगा। इस अकेलेपन की उदासी का प्रभाव पढ़ाई पर पड़ा और वह लगातार दो बार फेल हो गया। कक्षा में सभी बच्चे उसका मजाक उड़ाते, अध्यापक भी उसका उदाहरण दे–देकर सबको पढ़ाई में ध्यान देने को कहते और वह शर्म से लाल हो जाता था। घर और विद्यालय, दोनों जगह उसे अपमानजनक भावात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। किसी छात्र को ऐसी स्थिति से न गुजरना पड़े, इसके लिए आवश्यक है कि छात्रों के स्वाभाविक रूझान को देखते हुए उन्हें आगे बढ़ने के अवसर दिये जायें। विशेष रूप से अध्यापकों को तो छात्रों के मनोविज्ञान को समझते हुए उनसे आत्मीयतापूर्ण व्यवहार करना चाहिए।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **दहेज प्रथा : एक अभिशाप**
   ✲ सामाजिक समस्या ✲ रोकथाम के उपाय ✲ युवकों का कर्त्तव्य।
2. **भारत में सूखे की समस्या।**
   ✲ सूखे के कारण ✲ प्रभाव ✲ बचने के उपाय।
3. **अपनी भाषा प्यारी भाषा**
   ✲ अपनी भाषा का परिचय ✲ अपनी भाषा प्यारी क्यों है? ✲ अन्य भाषाओं से मेल।

उत्तर :

1. दहेज प्रथा : एक अभिशाप

भारत में अनेक सामाजिक समस्याएँ हैं जिनमें से दहेज प्रथा एक अभिशाप का रूप ले चुकी है। इसके कारण कई माता–पिता लड़कियों को बोझ समझते हुए उसे जन्म भी देना नहीं चाहते। यह एक निंदनीय बात है। दहेज कम लाने पर वधु को ससुराल में भी प्रताड़ित किया जाने लगता है। कई बार हम खबर पढ़ते हैं कि अमुक शहर में किसी युवती ने फाँसी लगा ली, किसी ने छत से कूदकर जान दे दी, कोई रेल से कट मरी। कभी–कभी किसी पर मिट्टी का तेल छिड़ककर जलाए

जाने की खबर भी आती है। इन सभी घटनाओं के मूल में दहेज प्रथा ही होती है। कोई-कोई युवती ही हिम्मत कर इनसे लड़ पाती है और वापस पिता के घर पहुँच पाती है। सरकार द्वारा अब दहेज निषेध अधिनियम बनाकर दहेज लेने और देने को अपराध घोषित किया जा चुका है। आज दुल्हन की शिकायत पर ससुराल पक्ष के लोगों को जेल में बंद कर दिया जाता है। लेकिन कुछ वधुओं ने अपने स्वार्थवश ससुराल पक्ष पर झूठे आरोप लगाकर इस कानून का गलत इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। आज युवकों को इसके लिए सामने आकर दहेज मुक्त विवाह करना होगा तभी इस समस्या का स्थायी हल होगा।

2. भारत में सूखे की समस्या

सूखा एक मंद गति से उत्पन्न आपदा है, जो हमारे आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक क्षेत्र को कमजोर करता है। इससे विकास की प्रक्रिया उलट जाती है। यह एक विनाशकारी प्राकृतिक आपदा है जो लगातार पानी की कमी से उत्पन्न होती है। सूखा सामान्यतः जल असंतुलन, कृषि, पशुधन अथवा मानव आवश्यकताओं को बुरी तरह से प्रभावित करती है। इसके कारणों में मुख्य हैं- दक्षिण पश्चिम मानसून का देरी से शुरू होना, मानसून में अंतराल या समय पूर्ण समाप्त होना तथा इसका असमान रूप से होना। मानवीय गतिविधियाँ भी सूखे को आमंत्रित करती हैं जैसे- वन कटाई, भू-उपयोग में परिवर्तन और अत्यधिक घास का चरना। ग्लोबल वार्मिंग और ग्रीन हाउस प्रभाव भी सूखे पड़ने के कारणों में सहायक होते है। इससे बचने के लिए हमें जल संसाधन प्रबंधन को उन्नत करना होगा। बाँध बनाना, जल संचयन प्रबंधन, वन उन्मूलन पर रोक, सूखारोधी फसलों का चयन करने के साथ लोगों को शिक्षित, प्रशिक्षित और जागरूक बनाना होगा ताकि इसकी रोकथाम कर सकें और सूखे जैसी आपदाओं से मुक्त रहे, दूर रहे।

3. अपनी भाषा प्यारी भाषा

"हिंदी है पहचान हमारी, आन-बान और शान हमारी
इसका स्वाभिमान न मिटने देंगे
नित-नित इसको गौरव देंगे।"

हमारे देश भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी है जो देश के अधिकतर निवासियों द्वारा बोली एवं समझी जाती है। देश की राष्ट्रभाषा का सम्मान करना सभी भारतीयों का कर्त्तव्य है। वैसे भी व्यक्ति को अपनी मातृभाषा से, राष्ट्रभाषा से प्यार होना चाहिए। इसमें हम जितनी सहजता से अपनी बात बोल या समझा सकते हैं, किसी दूसरी विदेशी भाषा में नहीं। हिंदी ही ऐसी भाषा रही है जो स्वतंत्रता से पूर्व भी सभी भारतीयों को जोड़ने का कार्य कर रही थी और आज भी कर रही है। यह अत्यंत ही सरल, सहज तथा वैज्ञानिक है। यह एकमात्र ऐसी भाषा है जो जिस प्रकार बोली जाती है उसी प्रकार लिखी भी जाती है। इसका महत्त्व इसी से समझा जा सकता है कि भारत की अधिकांश भाषाओं से इसका मेल है। गुजराती, मराठी, राजस्थानी, हरियाणवी जैसी भाषा का जानकार आसानी से हिंदी समझ और बोल सकता है तो बांगला, उड़िया, असमी जैसी भाषाएँ भी हिंदी को गले लगाती हैं। यह हिंदी भाषा ही है जो देश की एकता, विकास तथा सम्मान को बढ़ा सकती है।

13. बिजली की अनियमित आपूर्ति की शिकायत करते हुए जयपुर विद्युत बोर्ड के अधिकारी को एक पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
विद्युत विभाग अधिकारी,
जयपुर विद्युत बोर्ड,
जयपुर, राजस्थान
दिनांक : 18 अक्टूबर, 2019

विषय- बिजली की अनियमित आपूर्ति की शिकायत हेतु।

आदरणीय महोदय,

मैं जयपुर के मानसरोवर का निवासी अभय शर्मा आपको अपने क्षेत्र में पिछले 3 महीनों से चल रही बिजली की अनियमित आपूर्ति से अवगत कराना चाहता हूँ।

महोदय, हमारे यहाँ हमेशा से ही शाम को एक घण्टा बिजली नहीं आती थी, किन्तु इसके लिए हम सब तैयार थे। पिछले पाँच महीनों से तो किसी भी समय दो से तीन घण्टे के लिए बिजली चली जाती है और आती भी है तो वोल्टेज इतना कम होता है कि कुछ उपकरण तो काम ही नहीं कर पाते।

जयपुर जैसे शहर में यदि यह हालत है तो हमारे गाँवों की दशा क्या होगी, इसकी हम कल्पना कर सकते हैं। आज के समय में अधिकांश काम बिजली के बिना रूक जाते हैं। अतः मेरी आपसे प्रार्थना है कि जल्द ही इस समस्या की तह में जाइए तथा हमें इस संकट से मुक्त कीजिए।

आशा है, आप शीघ्र ही उचित कदम उठायेंगे।

धन्यवाद।

भवदीय
अभय शर्मा

अथवा

प्रधानाचार्य को एक पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखकर ग्यारहवीं कक्षा में विज्ञान विषय देने की प्रार्थना कीजिए।

उत्तर :

सेवा में,
आदरणीय प्रधानाचार्य जी,
ज्ञान दीप सीनियर सैकण्डरी विद्यालय,
नई दिल्ली।

विषय- ग्यारहवीं कक्षा में विज्ञान विषय देने का अनुरोध।

आदरणीय महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैंने पहली कक्षा से आज तक इसी विद्यालय से शिक्षा ग्रहण की है और मेरे शैक्षिक परिणामों

व व्यवहार से सभी अध्यापक हमेशा संतुष्ट रहे हैं। आपके सहयोग व दी गई शिक्षा के कारण मैंने विज्ञान विषय लेकर चिकित्सक बनने का सपना देखा है, किन्तु कक्षा दसवीं में किसी कारणवश मेरे अंक कुछ कम आने के कारण मुझे विज्ञान विषय नहीं दिया जा रहा है।

महोदय, मैं आपसे वादा करता हूँ कि मैं ग्यारहवीं कक्षा में पूरी मेहनत करूँगा व शिकायत का कोई मौका नहीं दूँगा। कृपया मुझे विज्ञान विषय देकर अनुग्रहीत करें। मैं सदा आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी छात्र,

संजय

दिनांक : 2 मई, 2019

14. 'खेलो इंडिया' संस्था के सूचना प्रभारी होने के नाते संस्था द्वारा क्रिकेट मैच की जानकारी देने हेतु 40–50 शब्दों में सूचना जारी करें। 5

उत्तर :

खेलो इंडिया संस्था

सूचना

क्रिकेट मैच का आयोजन

दिनांक : 20 जुलाई, 2019

दक्षिणी दिल्ली के क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए 15 अगस्त से 20 अगस्त तक, खेलो इंडिया संस्था के मैदान में प्रतिदिन क्रिकेट मैच का आयोजन होने जा रहा है। इच्छुक खिलाड़ी 5 अगस्त तक हस्ताक्षरकर्ता के पास नामांकन करवाएँ।

धन्यवाद।

पी. के. गोयल

सूचना प्रभारी

अथवा

गाँधी जयन्ती के अवसर पर विद्यालय में होने वाली विशेष प्रार्थना सभा के लिए हेड गर्ल की ओर से 40–50 शब्दों में सूचना जारी करें।

उत्तर :

सरस्वती विद्यालय

सूचना

गाँधी जयन्ती के अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा

दिनांक : 20 सितम्बर, 2019

2 अक्टूबर गाँधी जयन्ती के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन होगा। सभी छात्र सफेद वर्दी में उपस्थित होंगे। भजन गायन व एकांकी में भाग लेने के इच्छुक छात्र अपने कक्षा अध्यापक को 25 सितम्बर तक अपने नाम दे दें। प्रार्थना सभा में अनुशासन बनाए रखना सर्वोपरि है।

धन्यवाद।

प्रिया शर्मा

हेड गर्ल

15. अपने भविष्य को लेकर चिन्तित दो युवाओं की वार्ता को संवाद के रूप में लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

विजय : आलोक, इतनी मेहनत के बाद ये परीक्षाएँ तो उत्तीर्ण कर लीं, किन्तु अब आगे क्या करना है, कुछ समझ नहीं आ रहा?

आलोक : हाँ, दोस्त! मैं भी यही सोचता रहता हूँ। कभी जी चाहता है कि अपने रूचि के क्षेत्र में ही आगे बढ़ूँ, पर डरता हूँ कि लोग उसे किस नजर से देखेंगे।

विजय : रूचि तो अपनी जगह ठीक है, लेकिन पहले अपने भविष्य को सुरक्षित करना जरूरी है। यदि हम आत्मनिर्भर ही न हो पायें तो रूचि भी कैसे पायेंगे?

आलोक : तुम ठीक कहते हो, किन्तु इतनी होड़ लगी हुई है। अच्छे अंक आने पर भी अच्छे कॉलेज में दाखिला मिलना मुश्किल लग रहा है।

विजय : सकारात्मक सोचो, सब ठीक होगा। जहाँ चाह होगी, वहाँ राह अवश्य मिलेगी। हमारा फर्ज है सच्चे मन से कोशिश करना व सही समय पर सही निर्णय लेना।

अथवा

समाज के नाजुक हालात के विषय में माँ द्वारा अपनी बेटी कविता को परिचित कराने वाली बातचीत को संवाद के रूप में लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

माँ : कविता, कहाँ जा रही हो इतनी रात में?

कविता : माँ, आपको बताया तो था कि आज किशन का जन्मदिन है, तो हम सब दोस्तों ने मिलकर रात 12 बजे उसके लिए केक ले जाने की योजना बनायी है।

माँ : किन्तु इतनी रात को तो बाहर जाना ठीक नहीं है। तुम जानती हो न, समाज में क्या–कुछ हो रहा है?

कविता : मैं जानती हूँ माँ, पर हम तो सब दोस्त हैं और कहीं बाहर नहीं, किशन के घर ही जा रहे हैं, उसमें डरने की क्या बात है?

माँ : बेटी, जितनी भी दुर्घटनाएँ होती हैं, वे सूचना देकर नहीं होती। अपनी सुरक्षा अपने ही हाथ में होती है। नादानी में उठाया गया कोई भी गलत कदम भारी पड जाए, उससे पहले ही सावधान हो जाना चाहिए।

कविता : ठीक है माँ, मैं सभी दोस्तों से फोन पर बात कर लेती हूँ और रात का कार्यक्रम रद्द कर देते हैं।

16. बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खिलौने बनाने वाली एक कम्पनी खिलता बचपन के लिए एक आकर्षक विज्ञापन 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

खिलता बचपन
नाजुक बच्चों को भूल से भी लगे न चोट *इन खिलौनों को बनाने में लगी है ऐसी सोच।* *रंग-बिरंगे प्यारे-प्यारे खिलौनों की भरमार* **बच्चों को मनोरंजन के साथ रंगों व आकार की कराएं पहचान**
आपकी नजदीकी दुकान पर एवं ऑनलाइन उपलब्ध **हमारी वेबसाइट–** www.Toy.com

अथवा

आप अपनी कार बेचना चाहते हैं। 25–50 शब्दों में उसका विवरण देते हुए विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

कार बिकाऊ है
मारुति कार, काला रंग, दिसबंर 2017 मॉडल, चालू हालत में है। केवल 20,000 किमी. चली है। जयपुर का पंजीकरण है। *गाड़ी बिल्कुल अच्छी स्थिति में है तथा कम चली हुई है। इच्छुक व्यक्ति तुरंत संपर्क करें-*
सम्पर्कः **मो. नं.-** 9810102546

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and p aper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.